

## AGRICULTURE / कृषि

**Word Origin** The word agriculture is derived from Latin words ager or agri meaning soil and culture meaning, cultivation.

**Agriculture** The science and art of cultivation on the soil, raising crops and rearing livestock. It is also called farming

कृषि शब्द लैटिन शब्द एगर या कृषि से बना है जिसका अर्थ है मिट्टी और संस्कृति का अर्थ, खेती। कृषि मिट्टी पर खेती करने, फसल उगाने और पशुधन पालने का विज्ञान और कला। इसे खेती भी कहते हैं

### TYPES OF FARMING / कृषि के प्रकार

#### Subsistence farming

1. Primitive subsistence farming
2. Intensive Subsistence Farming

#### जीवन निर्वाह खेती

1. आदिम निर्वाह खेती
2. गहन निर्वाह खेती

#### Commercial farming

1. Commercial Farming
2. Plantation

#### वाणिज्यिक खेती

1. वाणिज्यिक खेती
2. वृक्षारोपण

India has three cropping seasons — rabi, kharif and zaid.

भारत में तीन फसल मौसम होते हैं - रबी, खरीफ और जायद।

Rabi crops are sown in winter from October to December and harvested in summer from April to June.  रबी की फसल अक्टूबर से दिसंबर तक सर्दियों में बोई जाती है और गर्मियों में अप्रैल	Kharif crops are grown with the onset of monsoon in different parts of the country and these are harvested in September-October.  खरीफ फसलें देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून की शुरुआत के साथ उगाई जाती	In between the rabi and the kharif seasons, there is a short season during the summer months known as the Zaid season.  रबी और खरीफ के मौसम के बीच, गर्मियों के महीनों के दौरान एक छोटा मौसम होता है जिसे ज़ैद के
---	---	---

से जून तक काटी जाती है	हैं और इन्हें सितंबर-अक्टूबर में काटा जाता है।	मौसम के रूप में जाना जाता है।
------------------------	--	-------------------------------

Major Crop				
Name of the crop फसल का नाम	Agricultural season/temperature and rainfall कृषि मौसम/तापमान और वर्षा	Producing area उत्पादन क्षेत्र	Soil मिट्टी	Important feature महत्वपूर्ण विशेषताएं
चावल RICE	kharif crop/100 cm ,above 25°C  खरीफ फसल/100 सेमी, 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर	plains of north and north-eastern India, coastal areas and the deltaic regions, s Punjab, Haryana and western Uttar Pradesh and parts of Rajasthan. उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत के मैदानी इलाकों, तटीय क्षेत्रों और डेल्टा क्षेत्रों, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में।	Alluvial जलोढ़	It is the staple food crop of a majority of the people in India. Our country is the second largest producer of rice in the world after China. यह भारत में अधिकांश लोगों की मुख्य खाद्य फसल है। हमारा देश चीन के बाद दुनिया में चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है
WHEAT	RABI CROP/BELOW 20°C ,50 to 75 cm of annual rainfall रबी फसल/20°C से	The major wheat-producing states are	ALLUVIAL जलोढ़	This is the second most important cereal crop यह दूसरी सबसे

	कम, वार्षिक वर्षा का 50 से 75 सेमी	Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Bihar and Rajasthan. उत्तर-पश्चिम में गंगा-सतलुज के मैदान और दक्कन के काली मिट्टी क्षेत्र। प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान हैं।		महत्वपूर्ण अनाज की फसल है
Maize	It is a kharif crop which requires temperature between 21°C to 27°C and grows well in old alluvial soil. <b>In some states like Bihar maize is grown in rabi season also.</b> यह एक खरीफ फसल है जिसे 21 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान की आवश्यकता होती है	Major maize- producing states are Karnataka, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Bihar, Andhra Pradesh and Telangana. प्रमुख मक्का उत्पादक राज्य कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हैं।	ALLUVIAL जलोढ़	It is a crop which is used both as food and fodder.

	<p>और पुरानी जलोढ़ मिट्टी में अच्छी तरह से बढ़ती है।</p> <p>बिहार जैसे कुछ राज्यों में मक्का रबी मौसम में भी उगाया जाता है।</p>			
--	---	--	--	--

**Millets:** Jowar, bajra and ragi are the important millets grown in India. Though, these are known as coarse grains, they have very high nutritional value---

Ragi is very rich in iron, calcium, other micro nutrients and roughage.

Jowar is the third most important food crop with respect to area and production.

Bajra grows well on sandy soils and shallow black soil.

**MILETS:** ज्वार, बाजरा और रागी भारत में उगाए जाने वाले महत्वपूर्ण बाजरा हैं। हालांकि, इन्हें मोटे अनाज के रूप में जाना जाता है, लेकिन इनका पोषण मूल्य बहुत अधिक होता है--

रागी आयरन, कैल्शियम, अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों और रौगेज में बहुत समृद्ध है।

ज्वार क्षेत्रफल और उत्पादन की दृष्टि से तीसरी सबसे महत्वपूर्ण खाद्य फसल है।

बाजरा रेतीली मिट्टी और उथली काली मिट्टी पर अच्छी तरह से बढ़ता है।

**Pluses:** India is the largest producer as well as the consumer of pulses in the world. These are the major source of protein in a vegetarian diet.

दालें: भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक होने के साथ-साथ उपभोक्ता भी है। शाकाहारी भोजन में ये प्रोटीन का प्रमुख स्रोत हैं।

#### Food Crops other than Grains

1. Sugarcane: It is a tropical as well as a subtropical crop.
2. Oil Seeds: In 2016 India was the second largest producer of groundnut in the world after china
3. Tea: Tea cultivation is an example of plantation agriculture.
4. Coffee: Indian coffee is known in the world for its good quality. The Arabica variety initially brought from Yemen is produced in the country.
5. Horticulture Crops: In 2016, India was the second largest producer of fruits and vegetables in the world after China
6. Non-Food Crops- Fibre Crops: Cotton, jute, hemp and natural silk are the four

major fibre crops grown in India.

अनाज के अलावा अन्य खाद्य फसलें

1. गन्ना: यह उष्ण कटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय फसल है।
2. तिलहन: 2016 में भारत चीन के बाद दुनिया में मूंगफली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था
3. चाय: चाय की खेती वृक्षारोपण कृषि का एक उदाहरण है।
4. कॉफी: भारतीय कॉफी दुनिया में अपनी अच्छी गुणवत्ता के लिए जानी जाती है। शुरुआत में यमन से लाई गई अरेबिका किस्म का उत्पादन देश में किया जाता है।
5. बागवानी फसलें: 2016 में, भारत चीन के बाद दुनिया में फलों और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था
6. गैर-खाद्य फसलें- रेशेदार फसलें: कपास, जूट, भांग और प्राकृतिक रेशम भारत में उगाई जाने वाली चार प्रमुख रेशेदार फसलें हैं।

Q.1.WRITE THE FULL FORM OF HYV

STATE WETHERE THE STATEMENT IS TRUE OR FALSE

Q.2.One-thirds of its population is engaged in agricultural activities.

Q.3. Intensive subsistence agriculture is practiced on small patches of land with the help of primitive tools like hoe, Dao and digging sticks, and family/ community labour.

Q.4. Plantation is also a type of commercial farming

Q.5. Rice is a commercial crop in Haryana and Punjab, but in Odisha, it is a subsistence crop.

Q.1.HYV. का पूर्ण रूप लिखें

यह बताएं कि कथन सही है या गलत

Q.2. इसकी एक तिहाई आबादी कृषि गतिविधियों में लगी हुई है।

प्रश्न 3. कुदाल, दाव और खुदाई की छड़ें, और परिवार/सामुदायिक श्रम जैसे आदिम उपकरणों की मदद से भूमि के छोटे टुकड़ों पर गहन निर्वाह कृषि का अभ्यास किया जाता है।

प्रश्न 4. वृक्षारोपण भी एक प्रकार की व्यावसायिक खेती है

प्रश्न 5. चावल हरियाणा और पंजाब में एक व्यावसायिक फसल है, लेकिन ओडिशा में, यह एक निर्वाह फसल है।

1 HIGH YIELDING VARIETY SEEDS

2. FALSE

3. FALSE

4. TRUE

5. TRUE

1 उच्च उपज देने वाली किस्म के बीज

2.गलत

3.गलत

4.सत्य

5.सत्य

Q.6.type of millet rich in iron, calcium, other micro nutrients and roughage is \_\_\_\_\_

(a) Bajra (b) Rajma (c) Jowar (d) Ragi

ANS-RAGI

प्रश्न 6. आयरन, कैल्शियम, अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों और रौगेज से भरपूर बाजरा का प्रकार \_\_\_\_\_ है।

(ए) बाजरा (बी) राजमा (सी) ज्वार (डी) रागी

ANS-रागी

Q.7.India is the second largest producer of sugarcane only after \_\_\_\_\_.

ANS-Brazil

Q.7.भारत \_\_\_\_\_ के बाद गन्ने का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

ANS-ब्राज़ील

Q.8. \_\_\_\_\_ is the Golden fibre of India.

ANS- Jute

प्रश्न 8. \_\_\_\_\_ भारत का गोल्डन फाइबर है।

ANS- जूट

Q.9.Which one of the following statements is incorrect as regards to commercial farming?

(a) Use of heavy doses of modern inputs. (b) Crops are grown for sale. (c) Family members are involved in growing crops. (d) Practised on large land holdings.

ANS-Family members are involved in growing crops.

वाणिज्यिक खेती के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(ए) आधुनिक आदानों की भारी खुराक का उपयोग। (बी) फसल बिक्री के लिए उगाई जाती है। (सी)

परिवार के सदस्य फसल उगाने में शामिल हैं। (डी) बड़ी भूमि जोत पर अभ्यास किया।

ANS- परिवार के सदस्य फसल उगाने में शामिल होते हैं

Q.10.Intensive subsistence farming is practised in area of \_\_\_\_\_.

(a) high population (b) low population (c) deserts (d) thick forests

ANS- high population

गहन निर्वाह खेती \_\_\_\_\_ के क्षेत्र में की जाती है।

(ए) उच्च जनसंख्या (बी) कम आबादी (सी) रेगिस्तान (डी) घने जंगल

ANS- उच्च जनसंख्या

## KEYWORDS

### 3 MARKS QUESTION

Q-Write the features of Indian agriculture.

ANS-India is an agriculturally important country.

Two-thirds of its population is engaged in agricultural activities.

Agriculture is a primary activity, which produces most of the food that we consume.

Besides food grains, it also produces raw material for various industries.

भारत कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण देश है।

ANS- इसकी दो-तिहाई आबादी कृषि गतिविधियों में लगी हुई है।

कृषि एक प्राथमिक गतिविधि है, जो हमारे द्वारा उपभोग किए जाने वाले अधिकांश भोजन का उत्पादन करती है।

खाद्यान्नों के अलावा, यह विभिन्न उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन भी करता है।

Q.What do you mean by three agricultural season of India?

Answer-

Rabi crops are sown in winter from October to December and harvested in summer from April to June. Some of the important rabi crops are wheat, barley, peas, gram and mustard

Kharif crops are grown with the onset of monsoon in different parts of the country and these are harvested in September-October. Important crops grown during this season are paddy, maize, jowar, bajra, tur (arhar), moong, urad, cotton, jute, groundnut and soyabean

In between the rabi and the kharif seasons, there is a short season during the summer months known as the Zaid season. Some of the crops produced during 'zaid' are watermelon, muskmelon, cucumber, vegetables and fodder crops. Sugarcane takes almost a year to grow.

प्र. भारत के तीन कृषि मौसमों से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- i.रबी की फसल अक्टूबर से दिसंबर तक सर्दियों में बोई जाती है और गर्मियों में अप्रैल से जून तक काटी जाती है। रबी की कुछ महत्वपूर्ण फसलें हैं गेहूँ, जौ, मटर, चना और सरसों

ii.देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून की शुरुआत के साथ खरीफ की फसलें उगाई जाती हैं और इनकी कटाई सितंबर-अक्टूबर में की जाती है। इस मौसम में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें हैं धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द, कपास, जूट, मूंगफली और सोयाबीन

iii.रबी और खरीफ के मौसम के बीच, गर्मियों के महीनों के दौरान एक छोटा मौसम होता है जिसे जैद के मौसम के रूप में जाना जाता है। 'जैद' के दौरान उत्पादित कुछ फसलें तरबूज, कस्तूरी, ककड़ी, सब्जियां और चारा फसलें हैं। गन्ने को उगाने में लगभग एक साल का समय लगता है

## 5MARKS QUESTION

Q.1. Enlist the various institutional reform programmes introduced by the government in the interest of farmers.

ANS-

I. In the 1980s and 1990s, a comprehensive land development programme was initiated, which included both institutional and technical reforms.

II. Provision for crop insurance against drought, flood, cyclone, fire and disease.

III. establishment of Grameen banks, cooperative societies and banks for providing loan facilities to the farmers at lower rates of interest were some important steps in this direction.

IV. Kissan Credit Card (KCC), Personal Accident Insurance Scheme (PAIS) are some other schemes introduced by the Government of India for the benefit of the farmers.

V. Special weather bulletins and agricultural programmes for farmers were introduced on the radio and television.

VI. The government also announces minimum support price, remunerative and procurement prices for important crops to check the exploitation of farmers by speculators and middlemen.

प्रश्न 1. किसानों के हित में सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न संस्थागत सुधार कार्यक्रमों की सूची बनाएं।

उत्तर-

I. 1980 और 1990 के दशक में, एक व्यापक भूमि विकास कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें संस्थागत और तकनीकी सुधार दोनों शामिल थे।

II. सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग और बीमारी के खिलाफ फसल बीमा का प्रावधान।

III. किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों और बैंकों की स्थापना इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम थे।

IV. किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना (पीएआईएस) भारत सरकार द्वारा किसानों के लाभ के लिए शुरू की गई कुछ अन्य योजनाएं हैं।

V. किसानों के लिए विशेष मौसम बुलेटिन और कृषि कार्यक्रम रेडियो और टेलीविजन पर पेश किए गए।

VI. सरकार सट्टेबाजों और बिचौलियों द्वारा किसानों के शोषण को रोकने के लिए महत्वपूर्ण फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, लाभकारी और खरीद मूल्य की भी घोषणा करती है।

Q.2. What is Intensive Subsistence Farming?

Answer-

This type of farming is practised in areas of high population pressure on land.

It is labourintensive farming, where high doses of biochemical inputs and irrigation are used for obtaining higher production.



Though the 'right of inheritance' leading to the division of land among successive generations has rendered land-holding size uneconomical.

The farmers continue to take maximum output from the limited land in the absence of alternative source of livelihood.

There is enormous pressure on agricultural land

प्रश्न 2. गहन निर्वाह खेती क्या है?

उत्तर-

I. इस प्रकार की खेती भूमि पर उच्च जनसंख्या दबाव वाले क्षेत्रों में की जाती है।

II. यह श्रम प्रधान खेती है, जहां उच्च उत्पादन प्राप्त करने के लिए जैव रासायनिक आदानों और सिंचाई की उच्च खुराक का उपयोग किया जाता है।

III. यद्यपि 'विरासत के अधिकार' ने उत्तरोत्तर पीढ़ियों के बीच भूमि के विभाजन की ओर अग्रसर किया है, जिसने भूमि-जोत के आकार को अलाभकारी बना दिया है।

IV. आजीविका के वैकल्पिक स्रोत के अभाव में किसान सीमित भूमि से अधिकतम उत्पादन लेना जारी रखते हैं।

V. कृषि भूमि पर भारी दबाव है

Q.3. What is Commercial Farming?

ANS-

I. The main characteristic of this type of farming is the use of higher doses of modern inputs

II. high yielding variety (HYV) seeds, chemical fertilisers, insecticides and pesticides in order to obtain higher productivity.

III. The degree of commercialisation of agriculture varies from one region to another. For example, rice is a commercial crop in Haryana and Punjab, but in Odisha, it is a subsistence crop.

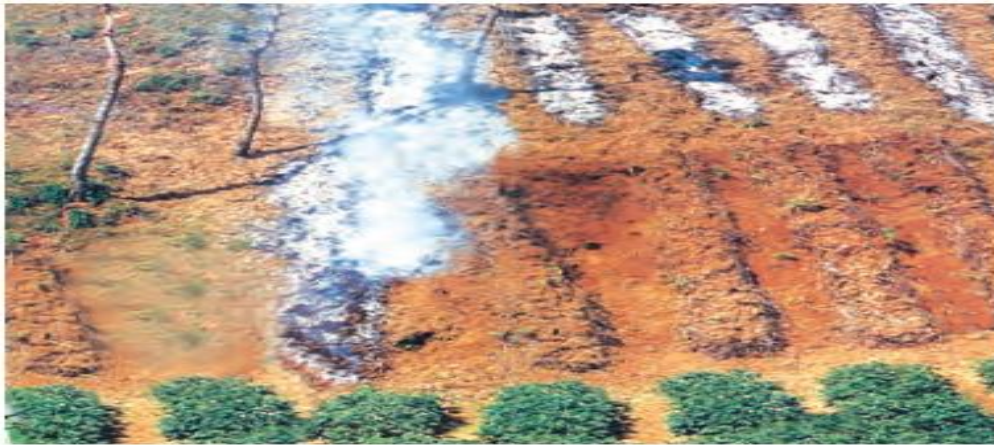
प्रश्न 3. वाणिज्यिक खेती क्या है?

ANS- इस प्रकार की खेती की मुख्य विशेषता आधुनिक आदानों की उच्च मात्रा का उपयोग है, उदा। उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए उच्च उपज देने वाली किस्म (HYV) के बीज, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक और कीटनाशक। कृषि के व्यावसायीकरण की डिग्री एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। उदाहरण के लिए, हरियाणा और पंजाब में चावल एक व्यावसायिक फसल है, लेकिन ओडिशा में, यह एक निर्वाह फसल है।

SOURCE BASED QUESTION

**Jhumming:** The 'slash and burn' agriculture is known as 'Milpa' in Mexico and Central America, 'Conuco' in Venezuela, 'Roca' in Brazil, 'Masole' in Central Africa, 'Ladang' in Indonesia, 'Ray' in Vietnam.

In India, this primitive form of cultivation is called 'Bewar' or 'Dahiya' in Madhya Pradesh, 'Podu' or 'Penda' in Andhra Pradesh, 'Pama Dabi' or 'Koman' or 'Bringa' in Odisha, 'Kumari' in Western Ghats, 'Valre' or 'Waltre' in South-eastern Rajasthan, 'Khil' in the Himalayan belt, 'Kuruwa' in Jharkhand, and 'Jhumming' in the North-eastern region.



With the help of picture given above give the answer of following question

i. Which type of farming is shown in pic?

ANS-Jhumming or The 'slash and burn' agriculture

ii. The 'slash and burn' agriculture is known as ----- in Mexico.

ans-Milpa

iii. In India, this primitive form of cultivation is called 'Bewar' or 'Dahiya' in -----

-----Ans-Madhya Pradesh

ऊपर दिए गए चित्र की सहायता से निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए

i. तस्वीर में किस प्रकार की खेती को दिखाया गया है?

ANS-झूमिंग या 'स्लैश एंड बर्न' कृषि

ii. मेक्सिको में 'स्लैश एंड बर्न' कृषि को ----- के रूप में जाना जाता है।

उत्तर-मिल्पा

iii. भारत में, खेती के इस आदिम रूप को ----- उत्तर-मध्य प्रदेश में 'बेवर' या 'दहिया'

कहा जाता है।

उत्तर-मध्य प्रदेश

Q.2. With the help of following paragraph given below answer the question

**Bhoodan – Gramdan**

Mahatma Gandhi declared Vinoba Bhave as his spiritual heir. He also participated in Satyagraha as one of the foremost satyagrahis. He was one of the votaries of Gandhi's concept of gram swarajya. After Gandhiji's martyrdom, Vinoba Bhave undertook padyatra to spread Gandhiji's message covered almost the entire country. Once, when he was delivering a lecture at Pochampalli in Andhra Pradesh, some poor landless villagers demanded some land for their economic well-being. Vinoba Bhave could not promise it to them immediately but assured them to talk to the Government of India regarding provision of land for them if they undertook cooperative farming. Suddenly, Shri Ram Chandra Reddy stood up and offered 80 acres of land to be distributed among 80 landless villagers. This act was known as 'Bhoodan'. Later he travelled and introduced his ideas widely all over India. Some zamindars, owners of many villages offered to distribute some villages among the landless. It was known as Gramdan. However, many land-owners chose to provide some part of their land to the poor farmers due to the fear of land ceiling act. This Bhoodan-Gramdan movement initiated by Vinoba Bhave is also known as the Blood-less Revolution.

I. Who was the spiritual heir of Mahatma Gandhi ?

ANS- Mahatma Gandhi declared Vinoba Bhave as his spiritual heir.

II. Which movement is also known as blood-less revolution?

Ans- This Bhoodan-Gramdan movement initiated by Vinoba Bhave is also known as the Blood-less Revolution.

III. Vinoba Bhave undertook padyatra to spread Gandhiji's message covered almost the entire country. This statement is true or false-

ANS-TRUE

Q.2. नीचे दिए गए पैराग्राफ की सहायता से प्रश्न का उत्तर दें:

भूदान - ग्रामदान

महात्मा गांधी ने विनोबा भावे को अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित किया। उन्होंने सत्याग्रह में अग्रणी सत्याग्रहियों में से एक के रूप में भी भाग लिया। वह गांधी की ग्राम स्वराज्य की अवधारणा के समर्थकों में से एक थे। गांधीजी की शहादत के बाद विनोबा भावे ने पदयात्रा की और गांधीजी के संदेश को लगभग पूरे देश में फैलाया। एक बार, जब वे आंध्र प्रदेश के पोचमपल्ली में एक व्याख्यान दे रहे थे, कुछ गरीब भूमिहीन ग्रामीणों ने अपनी आर्थिक भलाई के लिए कुछ भूमि की मांग की। विनोबा भावे उनसे तुरंत वादा नहीं कर सके लेकिन उन्हें आश्वासन दिया कि अगर वे सहकारी खेती करते हैं तो उनके लिए भूमि के प्रावधान के संबंध में भारत सरकार से बात करेंगे। अचानक, श्री राम चंद्र रेड्डी खड़े हुए और 80 भूमिहीन ग्रामीणों के बीच बांटने के लिए 80 एकड़ जमीन की पेशकश की। इस अधिनियम को 'भूदान' के नाम से जाना जाता था। बाद में उन्होंने यात्रा की और पूरे भारत में अपने विचारों को व्यापक रूप से पेश किया। कुछ ज़मींदारों, कई गाँवों के मालिकों ने कुछ गाँवों को भूमिहीनों में बाँटने

की पेशकश की। इसे ग्रामदान के नाम से जाना जाता था। हालांकि, कई भूमि मालिकों ने भूमि सीलिंग अधिनियम के डर से अपनी जमीन का कुछ हिस्सा गरीब किसानों को देने का फैसला किया। विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए इस भूदान-ग्रामदान आंदोलन को रक्तहीन क्रांति के रूप में भी जाना जाता है।

I. महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी कौन थे?

ANS- महात्मा गांधी ने विनोबा भावे को अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित किया।

II. किस आंदोलन को रक्तहीन क्रांति के रूप में भी जाना जाता है?

उत्तर- विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए इस भूदान-ग्रामदान आंदोलन को रक्तहीन क्रांति के रूप में भी जाना जाता है।

III. विनोबा भावे ने गांधीजी के संदेश को लगभग पूरे देश में फैलाने के लिए पदयात्रा की, यह कथन सत्य है या गलत-

ANS-सत्य

SUBJECT ENRICHMENT ACTIVITY

I. QUIZ

II. ORGANISE A DEBATE ON THE TOPIC ROLE OF FARMER IN DEVELOPMENT OF INDIA

विषय संवर्धन गतिविधि

I. प्रश्नोत्तरी

II. भारत के विकास में किसान की विषय भूमिका पर वाद-विवाद का आयोजन